सट्टेबाजी की आशंका

फेस्टिव सीजन के लिए हो सकता है चीनी का आयात

सरकार चीनी पर इंपोर्ट ड्यूटी को घटाकर 25% करने कर रही है विचार

[जयश्री भोसले | पुणे]

त्योहारों के आगामी सीजन के दौरान सरकार को चीनी के दामों में सट्टेबाजी होने की आशंका है और वह चीनी की सप्लाई को पर्याप्त रखने के लिए इंपोर्ट सहित कुछ उपायों पर विचार कर रही है। हालांकि शुगर इंडस्ट्री के संगठन इंडियन शुगर मिल्स एसोसिएशन (इस्मा) का मानना है कि 1 अक्टूबर से शुरू होने वाले अगले शुगर ईयर के लिए देश में चीनी का पर्याप्त स्टॉक मौजूद है।

केंद्र सरकार ने जुलाई में चीनी पर इंपोर्ट ड्यूटी बढ़ाकर 50 पर्सेंट कर दी थी। अब वह इसे घटाकर 25 पर्सेंट करने और चीनी के इंपोर्ट की अनुमति देने पर विचार कर रही है। पहली अक्टूबर को देश में चीनी का 40 लाख टन का शुरुआती स्टॉक होने का अनुमान है। हालांकि, 2016-17 में दक्षिण भारत में सूखे की वजह से चीनी का उत्पादन कम होने से सरकार चिंतित है। इससे दक्षिणी राज्यों में चीनी की कमी होने की आशंका है। हाल ही में तमिलनाडु की चीनी मिलों के एक प्रतिनिधिमंडल ने केंद्र सरकार के अधिकारियों के साथ मुलाकात कर उनसे मदद मांगी थी। गन्ने की कमी के कारण ये मिलें अपनी कैपेसिटी से कम पर चल रही हैं। इस्मा की प्रेसिडेंट टी सरिता रेड्डी ने बताया, 'हम अपने सदस्यों को चीनी बेचने के लिए कह रहे हैं। मौजूदा प्राइसेज पिछले वर्ष के मुकाबले अधिक नहीं हैं।' इस्मा ने केंद्र सरकार को बताया है कि अक्टूबर के महीने में देश में चीनी का 8-10 लाख टन प्रॉडक्शन होगा।

पहली अक्टूबर को देश में चीनी का 40 लाख टन का शुरुआती स्टॉक होने का अनुमान है

रेड्डी के अनुसार, 'पांच लाख टन चीनी के पहले से हुए इम्पोर्ट के मद्देनजर अभी उपलब्ध स्टॉक और चीनी का नया प्रॉडक्शन अक्टूबर से उपलब्ध होगा क्योंकि मिलें जल्द पेराई शुरू करेंगी।'

हालांकि, ट्रेडर्स को दिवाली से पहले चीनी की कमी होने की आशंका है। बॉम्बे शुगर मर्चेंट्स एसोसिएशन के प्रेसिडेंट, अशोक जैन ने कहा, 'अगर सरकार चीनी का इम्पोर्ट करती है तो इससे चीनी के दाम स्थिर रखने में मदद मिलेगी।'

The Economic Times
10-8-17